



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 265]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 25, 1991/अग्रहायण 4, 1913

No. 265] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 25, 1991/AGRAHAYANA 4, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 25 नवंबर, 1991

सं. एफ. 4(5) डब्ल्यू एण्ड एम/91-10.75 प्रतिशत ऋण, 1996 (दूसरा निर्गम), 11.00 प्रतिशत ऋण, 2001 (दूसरा निर्गम) 11.50 प्रतिशत ऋण, 2006 (दूसरी शृंखला) (दूसरा निर्गम) और 12.00 प्रतिशत ऋण, 2011 (दूसरा निर्गम) के लिए कुल 1000 करोड़ रुपये या यथासंभव उसके निकट की कुल राशि के बावजूद 2 दिसंबर 1991 को बैकिंग समय की समाप्ति तक अधिदान तकदी में स्वीकार किए जायेंगे। परन्तु लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 2 दिसंबर, 1991 तक को छूट्टी घोषित किये जाने पर अपने कार्य दिवस बैकिंग समय की समाप्ति तक उस राज्य के संबंधित आदेशा कार्यालयों में अधिदान स्वीकार किये जायेंगे।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों को कुल अधिदान राशि 1000 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अधिदाताओं को आनुपातिक आधार पर आंशिक प्रावंटन किया जाएगा। यदि आंशिक प्रावंटन किया जाता है तो आंशिक प्रावंटन

के बाद यथाशीघ्र अधिक अधिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इन प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई ब्याज भुगतान नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 अक्टूबर, 1996 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.75 प्रतिशत ऋण, 1996 (दूसरा निर्गम)।

(i) वापसी अधिदायी की तारीख—ऋण 21 अक्टूबर, 1996 को सममूल्य पर वापस भुगतान किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1,000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1,000.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 2 दिसंबर, 1991 से वार्षिक 10.75 प्रतिशत होगी। 2 दिसंबर, 1991 से 20 अप्रैल 1992 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 21 अप्रैल, 1992 को भुगतान किया जायेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 21 अक्टूबर और 21 अप्रैल को भुगतान किया जायेगा इस प्रकार भुगतान किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

4. ₹. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 अक्टूबर, 2001 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.00 प्रतिशत ऋण, 2001 (दूसरा निर्गम)।

- (i) वापसी अदायगी की तारीख : ऋण 21 अक्टूबर, 2001 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जावेगा।
- (ii) निर्गम मूल्य : प्रत्येक ₹. 1000.00 (सकितिक) का निर्गम मूल्य ₹. 1,000.00 होगा।
- (iii) ब्याज : इस ऋण की ब्याज दर 2 दिसंबर, 1991 से वार्षिक 11.00 प्रतिशत होगी। 2 दिसंबर, 1991 से 20 अप्रैल, 1992 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 21 अप्रैल, 1992 को भ्रदा किया जावेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 21 अक्टूबर, और 21 अप्रैल को भ्रदा किया जावेगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

5. ₹. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 अक्टूबर, 2006 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2006 (दूसरी शृंखला) (दूसरा निर्गम)

- (i) वापसी अदायगी की तारीख : ऋण 21 अक्टूबर, 2006 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जाएगा।
- (ii) निर्गम मूल्य : प्रत्येक ₹. 1,000.00 (सकितिक) का निर्गम मूल्य ₹. 1,000.00 होगा।
- (iii) ब्याज :- इस ऋण की ब्याज दर 2 दिसंबर, 1991 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 2 दिसंबर, 1991 से 20 अप्रैल, 1992 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 21 अप्रैल, 1992 को भ्रदा किया जावेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 21 अक्टूबर और 21 अप्रैल को भ्रदा किया जावेगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

6. ₹. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 21 अक्टूबर, 2011 को सममूल्य पर प्रतिदेय 12.00 प्रतिशत ऋण, 2011 (दूसरा निर्गम)।

- (i) वापसी अदायगी की तारीख : ऋण 21 अक्टूबर, 2011 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जावेगा।
- (ii) निर्गम मूल्य : प्रत्येक ₹. 1,000.00 (सकितिक) का निर्गम मूल्य ₹. 1,000.00 होगा।
- (iii) ब्याज : इस ऋण की ब्याज दर 2 दिसंबर, 1991 से वार्षिक 12.00 प्रतिशत होगी। 2 दिसंबर, 1991 से 20 अप्रैल, 1992 (सहित) की अवधि के लिए ब्याज 21 अप्रैल, 1992 को भ्रदा किया जावेगा और तत्पश्चात् ब्याज छमाही आधार पर 21 अक्टूबर, और 21 अप्रैल को भ्रदा किया जावेगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 10 और 11 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा।

7. उपर्युक्त ऋणों के मामले में ब्याज की गुड़ राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णकृत करने के बाद भ्रदा की जावेगी। इस प्रयोजन के लिए पचास पैसे से कम के ब्याज को हिसाब में नहीं लिया जावेगा और पचास या उससे अधिक पैसे को अपने रुपये में पूर्णकृत किया जावेगा।

#### पूरा व्यवस्थापन

8. आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, मुम्बई, बंबई (फोर्ट और भाखला), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर तथा दिल्ली, पटना और तिरुवनन्तपुरम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखाएँ।

9. ब्याज भ्रदा करने का स्थान - इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, मुम्बई, बंबई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, तथा दिल्ली, पटना और तिरुवनन्तपुरम में स्थित बैंक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकीय या उप-राजकीय में ब्याज भ्रदा किया जावेगा।

10. ब्याज भ्रदा करते समय (वार्षिक वित्त आधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी इन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसा दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर का दर से कम हो।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर में कम दर पर कर लागू है वह जिनके आयकर अधिकारों को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाले न्यूनतर दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज भ्रदा किया जाए।

भारत में निवासी कोई व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा अधिक न हो, ब्याज का भुगतान करने के लिए उल्लेखी व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतिवों में घोषणा करके ब्याज की राशि बिना कर-कटौती के प्राप्त कर सकता है।

11. ऋणों पर ब्याज का आयकर अधिनियम, की धारा 83 ड के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

12. भ्रदा जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेश के मूल्य को संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट शर्तों पर संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

13. प्रतिभूतियाँ केवल स्टाक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जावेगी।

14. ऋणों के लिए आवेदनपत्र--ऋणों के लिए आवेदनपत्र ₹. 1,000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

15. आवेदनपत्र इसके साठ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक ब्याज को अदायगी को प्रेषण करता है।

16. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि तकसी या चेक के रूप में जेबत की जानी चाहिए। भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिए।

17. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने प्रांतों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर तथा दत्तानों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी सुदृष्ट ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति ₹. 100.00 (सकितिक) 10 पैसे की दर पर दत्तानों भ्रदा की जावेगी। बैंक-आणिश्य और सहाकारी बैंक उनके अपने अधिकारों के लिए दत्तानों की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,

श्रीमती जानकी कठपनिया, अपर सचिव (बजट)

दस्तावेज की मुहर और और पता

## आवेदन का फार्म

मे/हम\*

(पूरा/पूरे नाम)

हम/हमें (स्पष्ट रूप से) के लिए  
 \*नकल/चिक प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें\* स्टॉक प्रमाण पत्र\* मेरे/हमारे\* एस.जी.एल. खाते में जमा  
 के रूप में र.-----के सांकेतिक मूल्य की 10.75 प्रतिशत ऋण, 1966 (दूसरा निर्गम)\* / 11.00 प्रतिशत ऋण, 2001 (दूसरा  
 निर्गम)\* / 11.50 प्रतिशत ऋण, 2006 (दूसरा शृंखला) (दूसरा निर्गम)\* / 12.00 प्रतिशत ऋण, 2011 (दूसरा निर्गम)\* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं।

2. मे/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याज-----में भरा दिया जाए।

विशेष टिप्पणी : इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें। प्रविष्टियां आदाता कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

आवेदक विवरण		हस्ताक्षर
आवेदन पत्र सं.		पूरा (पूरे) नाम-----
"बलीली नहीं" मुहर-----		
नकली प्राप्त होने की तारीख-----		
बैंक बकूल होने की तारीख-----		
विशेष धातु खाते में जमा करने की तारीख-----		
जांच की गयी-----		
नकदी आवेदन पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया-----		पता-----
बलानी रजिस्टर में दर्ज किया गया-----		
मांग पत्र संख्या-----		
प्रतिभूति सं.-----		दिनांक . दिसंबर, 1991
काई सं.-----		
आवेदक पारित करने की तारीख-----		

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

टिप्पणियां (1) प्रत्येक ऋण और अर्पित नये ऋण के अधिदान के प्रत्येक फार्म के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए।

(2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर झंगूटे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साथी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम व्यवसाय और पते विद्ये जाएं।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएं :

(i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रति लिपि।

(ii) कंपनी/निकाय के बहिर्निर्णयों और अंतर्निर्णयों या नियमों और विनियमों/उपनियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।

(iii) कंपनी/निकाय का और से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति (यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके अधिगत स्थापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।

(4) आवेदकों को, उन्हें जारी किये जाने वाले स्टॉक प्रमाणपत्र/पत्रों पर छाया ब्याज के प्रेषण के लिए आवेदन फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 25th November, 1991

No. F. 4(5)W&M/91.—Subscriptions for the issues of 10.75 per cent. Loan, 1996 (Second Issue), 11.00 per cent. Loan, 2001 (Second Issue), 11.50 per cent. Loan, 2006 (Second Series) (Second Issue) and 12.00 per cent. Loan, 2011 (Second Issue) for an aggregate amount of Rs. 1000 crores or as near thereto as possible will be received in the form of cash on the 2nd December, 1991 upto the close of banking hours. In the event of 2nd December, 1991 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of banking hours on the next working day.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 1000 crores, partial allotment will be made to the subscribers on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.75 per cent. Loan, 1996 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st October, 1986.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 21st October, 1996.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.75 per cent. per annum from 2nd December, 1991. Interest for the period from 2nd December 1991 to 20th April, 1992 (inclusive) will be paid on 21st April, 1992 and thereafter interest will be paid half-yearly on 21st October and 21st April. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 11.00 per cent. loan, 2001 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st October, 2001.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 21st October, 2001.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.00 per cent. per annum from 2nd December, 1991. Interest for the period from 2nd December, 1991 to 20th April, 1992 (inclusive) will be paid on 21st April, 1992 and thereafter interest will be paid half-yearly on 21st October and 21st April. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 11.50 per cent. Loan, 2006 (Second Series) (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st October, 2006.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 21st October, 2006.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent. per annum from 2nd December, 1991. Interest for the period from 2nd December, 1991 to 20 April, 1992 (inclusive) will be paid on 21st April, 1992 and thereafter interest will be paid half-yearly on 21st October and 21st April. The interest paid will subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

6. 12.00 per cent. Loan, 2011 (Second Issue) issued at 100.00 per cent. and redeemable at par on the 21st October, 2011.

(i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 21st October, 2011.

(ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1,000.00 for every Rs. 1,000.00 (Nominal).

(iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 12.00 per cent. per annum from 2nd December, 1991. Interest for the period from 2nd December, 1991 to 20th April, 1992 (inclusive) will be paid on 21st April, 1992 and thereafter interest will be paid half-yearly on 21st October and 21st April. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 10 and 11 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

7. The gross amount of interest in respect of above loans will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

### SUPPLEMENTARY PROVISIONS

8. Applications will be received at—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Thiruvananthapuram; and

(b) Main branches of the State Bank of India at District Headquarters in India except at (a) above.

9. Place of Payment of Interest—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Thiruvananthapuram and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

10. Refund of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Act) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on an application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can ob-

tain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

11. Interest on the Loans will be eligible for deduction under Section 80L of the Income-tax Act.

12. The value of the investment in the Loans now issued will be eligible for exemption under Section 5 of the Wealth-tax Act subject to the conditions specified therein.

13. The securities will be Issued in the Form of Stock only.

14. Applications for the Loans—Application for the Loans must be for Rs. 1,000 or a multiple of that sum.

15. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

16. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

17. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By Order of the President,

SMT. JANAKI KATHPALIA, Addl. Secy.  
(Budget),



## BROKER'S STAMP WITH ADDRESS

## FORM OF APPLICATION

I/We\*

(Full Name(s) in Block Letters)

herewith tender Rs. (Rupees)  
 \*Cash  
 Cheque for

and request that Securities of 10.75 per cent. Loan, 1996 (Second Issue)\*/11.00 per cent. Loan, 2001 (Second Issue)\*/11.50 per cent. Loan, 2006 (Second Series) (Second Issue)\*/12.00 per cent. Loan, 2011 (Second Issue)\* of the nominal value of Rs. \_\_\_\_\_ may be issued to me/us\* in the form of \*Stock Certificate/credit to my/our\* S.G.L. Account.

2. I/We\* desire that interest be paid at \_\_\_\_\_

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Receiving Office

	Initials	Date
Application No. _____		
N.B. Stamp _____		
Cash Received on _____		
Cheque Realised on _____		
Credited to _____		
Special Current _____		
Account on _____		
Examined _____		
Cash Applications _____		
Register posted _____		
Brokerage _____		
Register posted _____		
Indent No. _____		
Scrip No. _____		
Card No. _____		
Voucher passed on _____		

Signature(s) \_\_\_\_\_

Name(s) in full \_\_\_\_\_  
 (Block Letters)

Address \_\_\_\_\_

Dated the \_\_\_\_\_

of December 1991.

\*Delete what is not required.

- Notes:—(1) Separate applications should be made for each Loan and each form of subscription of the New Loan required.
- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signature.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.

- 
- (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the company/body.
  - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on Stock Certificate/s issued to them.

